करोड़ों रुपए की पुलिया में होल, खतरे की आहट

सीधी-सिंगरौली नेशनल हाईवे-39 निर्माणाधीन फोरलेन सड़क के झुरही नाला पुलिया का मामला

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अगस्त। सीधी-सिंगरौली नेशनल हाईवे 39 निर्माणाधीन फोरलेन सड़क के कार्य की गुणवत्ता का पोल खुलने लगा है। आलम यह है कि बरगवां एवं सजहर जंगल के झुरही के समीप निर्माणाधीन पुलिया में एक बड़े होल ने हादसे का संकेत दे रहा है। वही सड़क एवं पुलिया के निर्माण कार्य के गुणवत्ता पर तरह-तरह के सवाल उठने लगे हैं।

दरअसल सीधी-सिंगरौली नेशनल हाईवे 39 का निर्माण कार्य पिछले 2012-13 से चल रहा है। करीब 85 किलोमीटर सड़क को भारत सरकार राष्ट्रीय राज मार्ग भूतल परिवहन मंत्रालय ने अब तक

कार्य पूर्ण नही करा पाया। आरोप है कि एमपीआरडीसी के अधिकारियों के उदासीनता का खामियाजा यहां के रहवासियों को भुगतना पड़ रहा है। विपक्षीय दलों का आरोप है कि उक्त नेशनल हाईवे मार्ग कमीशनखोरी एवं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। करीब 13 साल बाद भी इस 85 किलोमीटर लम्बाई सड़क के कार्य को भाजपा सरकार नही बन पाई। वही निर्माणाधीन फोरलेन सड़क मार्ग अभी से क्षतिग्रस्त होने लगी है। सड़क में जगह-जगह गड्ढे इस बात के गवाह हैं। वही बरगवां के आगे सजहर जंगल के पूर्व झुरही नाला पर करोड़ों रूपये की लागत से पुलिया का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जहां टू-लेन की पुलिया में एक बड़ा होल हादसे का संकेत दे रहा है। वही पुलिया के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा होने लगा है। निर्माणाधीन पुलिया में यह होल कैसे हो गया, इसपर भी तरह-तरह की चर्चाएं की जाने लगी है। एक ओर जहां इस बात की चर्चा है कि सड़क एवं पुलपुलियों के निर्माण कार्य में जमकर कमीशनखोरी हुई है। वही दूसरी ओर आरोप है कि एमपीआरडीसी ने पुल-पुलियों के निर्माण कार्य के दौरान सब कुछ जिम्मा ठेकेदार के ऊपर छोड़ दिया। जिसका परिणाम यह निकला कि करोड़ों रूपये की लागत से झुरही नाला का बना पुलिया होल हो गया। कहीं न कहीं उक्त पुलिया व्यापक पैमाने पर कमीशनखोरी की गई या फिर एमपीआरडीसी के अधिकारियों ने कार्यस्थल का समय-समय पर परीक्षण एवं निरीक्षण नही किये। जिसके चलते करोड़ रूपये की सड़क एवं पुलिया के कार्य पर लोगबाग तरह-तरह के शक करते हुये जिम्मेदार अधिकारियों को सवालों में घेर रहे हैं।

गैमन इंडिया व टीबीसीएल कंपनी ने कराया था कार्य

नेशनल हाईवे 39 के पुल-पुलियों व सड़को का कार्य पहले गैमन इंडिया और जब यह ब्लैक लिस्टेड हुई तो टीबीसीएल को कार्य कराने का अवसर मिला। इन दिनों संविदा कंपनियों ने कार्य की गुणवत्ता को नजर अंदाज किया। जिसके चलते निर्माणाधीन सड़क एवं पुल क्षतिग्रस्त होने लगे। यहां बताते चले कि 7 साल पूर्व कर्थुआ नाला पर बना पुलिया में भी इसी तरह का एक बड़ा होल हो गया। उस दौरान गैमन इंडिया संविदा कंपनी कार्य करा रही थी और उसने टेक्रोयूनिक कंपनी को कार्य दिया था। जहां मामला सामने उजागर होने पर ठेकेदार ने लिपापोती कर दिया था। वहीं अब झुरही नाला पर बने पुल में एक बड़ा होल होने पर एमपीआरडीसी के अधिकारी भी सवालों में घिर रहे हैं। अभी फोरलेन पुलिया में से टू-लेन का कार्य निर्माणाधीन है।

एमपीआरडीसी के अमले की टूटी नींद, खाखन नाला पर शुरू किया कार्य

सजहर जंगल एवं जोगिनी गांव के मध्य खाखन नदी की पुलिया कई वर्षो से निर्माणाधीन है। जहां खाखन नदी पर आये दिन वाहन हादसे का शिकार हो रहे हैं। पुरानी पुल भी क्षतिग्रस्त है। जिसे बीच-बीच में नवभारत प्रमुखता के साथ खबरों को प्रकाशित कर जिला प्रशासन एवं एमपीआरडीसी के अधिकारियों की ओर ध्यान आकृष्ट कराता रहा। अब कहीं एमपीआरडीसी के अमले की नींद टूटी और खाखन नदी पर निर्माणाधीन एवं क्षतिग्रस्त पुलिया को ठीक-ठाक कराने में लगा हुआ है। ताकि नेशनल हाईवे का आवागमन सुचारू रहे।

बिजली के लो वोल्टेज से किसान परेशान, होगा आंदोलन : लल्लाराम

मनमानी बिजली की कटौती से उपभोक्ताओं में है नाराजगी

नवभारत न्यूज

चितरंगी 20 अगस्त। स्थानीय तहसील क्षेत्र में बिजली की विकट समस्या से उपभोक्ता परेशान हैं। सबसे ज्यादा लो वोल्टेज उपभोक्ता एवं किसानों के लिए गले का फांस बन गया है। एमपीईबी अमला इस लो वोल्टेज समस्या से निजात नही दिला पा रहा है।

जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष लल्लाराम पाण्डेय ने बिजली की अघोषित कटौती एवं लो वोल्टेज समस्या का मुद्दा जोर-शोर से उठाया है। उन्होंने कहा है कि पिछले कुछ महीनों से क्षेत्र में कई घंटों तक बिजली गुल रहती है और जब बिजली किसी तरह आती भी है तो लो वोल्टेज रहता है। एलईडी बल्ब भी जुगनू की तरह चमकते हैं। जबकि उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। उन्होंने आगे कहा कि कुछ दिनों से बारिश भी थमी हुई है। जिसके चलते धान के खेतो में पानी लगाने के लिए मोटर लो वोल्टेज के चलते चालू नही होते। इस समस्या से भाजपा सरकार के नेता भी वाकिफ हैं। फिर भी भाजपा नेताओं को समस्याएं नही दिखाई दे रही है। किसान एवं उपभोक्ता बिजली के लो वोल्टेज एवं अघोषित कटौती से तंग आ चुका हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यदि बिजली व्यवस्था में सुधार नही हुई तो विद्युत वितरण केन्द्र चितरंगी के सामने शीघ्र ही धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

एक नजर में

बैगा समाज संघ करेगा 26 को आंदोलन

सिंगरौली। बैगा समाज संघ म.प्र. के आह्वान में बैगा विकास प्राधिकरण बैगा प्रोजेक्ट को लागू करने को लेकर 26 अगस्त को माजन मोड़ से रैली निकाल कर कलेक्ट्रोरेट पहुंच मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौपा जाएगा है। सिंगरौली-सीधी में बैगा प्रोजेक्ट लागू करने के लिए 4 से 5 बार पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान मुख्यमंत्री के द्वारा घोषणा किया गया लेकिन आज दिनांक तक लंबित है। इन्ही मांगों को लेकर बैगा समाज संघ 26 अगस्त को कलेक्टर को ज्ञापन सौपा जाएगा।

पूर्व पीएम की जयंती पर मरीजों को फल वितरित

चितरंगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चितरंगी द्वारा भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 81वी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर अस्पताल चितरंगी में मरीजों को फल वितरण किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ग्रामीण सरस्वती सिंह , कौशल सिंह उपाध्यक्ष जनपद पंचायत, संकठा सिंह बबलू अध्यक्ष ब्लॉक, अरुण कुमार तिवारी, लालता सिंह, विजय सिंह , सुनील देव सिंह, अखिलेश सिंह, कमला प्रसाद वैश्य, राजकुमार सिंह, पप्पू केवट , प्रशांत सिंह, पंकज पैकरा सहित अन्य मौजूद रहे ।

सीएससी में नही बैठते बीएमओ, चिकित्सकों की चल रही मनमानी

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवसर का हाल, मरीज से लेकर आमजन परेशान, चिकित्सकों पर नहीं है किसी का दबाव

नवभारत न्यूज

देवसर 20 अगस्त। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवसर की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं बेपटरी पर हो गई हैं। एक ओर जहां एक दशक के ज्यादा समय से मौजूदा बीएमओ नियमित अस्पताल नही आते। वही दूसरी ओर चिकित्सको की मनमानी से मरीज भी परेशान हैं।

दरअसल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवसर में इन दिनों भरेंशाही मची हुई है। आरोप है कि बीएमओ के लापरवाही से स्वास्थ्य व्यवस्था बेपटरी पर है। बीएमओ का अस्पताल में दर्शन में बहुत कम होते हैं। अपने आवास में ही मरीजों को ज्यादातर देखते हैं। जिसके चलते अन्य कुछ चिकित्सक भी उन्हीं के नक्शेकदम पर चलने लगे हैं। जिसका असर मरीजों पर पड़ रहा है। आलम यह है कि मरीज चिकित्सकों के इंतजार में कई घंटो तक वेटिंग हाल में बैठे रहते हैं।

बमुश्किल से चिकित्सक तो आते हैं, लेकिन बीएमओ का आना मुश्किल हो जाता है। चर्चाएं है कि बीएमओ डॉ. सीएल सिंह पिछले एक दशक के ज्यादा समय से देवसर स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ हैं। इनका तबादला तक नही हुआ। लम्बे अर्से से पदस्थ हैं। कुछ मरीजों ने यहां तक बताया कि जब बीएमओ ही अस्पताल नही आते तो अन्य चिकित्सक व स्वास्थ्य सेवको पर कौन दबाव उठाएगा और मरीज इन्ही कारणों से परेशान हैं।

सीएससी में मरीज घंटों करते हैं इंतजार

आलम यह है कि चिकित्सको की मनमानी के चलते मरीज वेटिंग हाल में घंटो तक बैठ कर चिकित्सको के आने का इंतजार करते हैं। यह समस्या आज से नही काफी दिनों से है। लेकिन बीएमओ उक्त समस्या का निदान नही करा पा रहे हैं। आलम यह है कि अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था भी ठीक-ठाक नही है। अस्पताल के ईर्द-गिर्द कचरा ही कचरा नजर आता है। वार्डों में भी गंदगी बनी रहती है। कई बार मरीजों ने भी टोका-टिप्पणी भी किया, लेकिन बीएमओ पर इसका कोई असर नही पड़ रहा है। वे ज्यादातर समय अपने आवास में देते हैं। चर्चाएं हैं कि वही पर उनकी खुद की क्लीनिक भी है। इन आरोपो में कितनी सच्चाई है, यह तो बीएमओ ही बता पाएंगे। लेकिन यहां के प्रबुद्ध नागरिको की बात माने तो सीएससी देवसर की चिकित्सकीय व्यवस्था अस्त-व्यस्त है।

ननि आयुक्त ने तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने जारी की एसओपी

आयुक्त ने कहा निर्देशों का शत-प्रतिशत करे पालन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अगस्त। नगर पालिक निगम सिंगरौली की आयुक्त सविता प्रधान के द्वारा विकास कार्यों के प्राकलन के साथ विस्तृत तकनीकी रिपोट, क्रॉस सेक्सन, जियो टैग संलग्न करने के साथ ही अन्य आवश्यक प्रक्रियो का पालन सुनिश्चित करने के लिए एसओपी जारी की गई है।

जारी एसओपी में उल्लेख किया गया है कि संबंधित सहायक यंत्री तथा उपयंत्री प्राकलन के साथ कार्य स्थल पर भूमि स्वामित्य संबंधी खसरे की कॉपी सहित विस्तृत तकनीकी प्रतिवेदन, क्रॉस सेक्शन, डिजाईन, ड्राईंग व जियोटेग फोटो संलग्न करे। प्रस्तावित कार्यों के प्राकलन के साथ कार्य से पूर्व के स्थल निरीक्षण रिपोर्ट प्रतिवेदन नस्ती में टीप सहित संलग्न की जाए। निगमायुक्त द्वारा निर्देशित किया कि समस्त सहायक यंत्री अपने जोन अंतर्गत आने वाले वार्ड की वार्डवार रजिस्टर निधारित प्रारूप अनुसार संधारित करेंगे, जिसमें वार्डवार प्रत्येक कार्यों का उल्लेख एवं समय-समय पर कार्यों की प्रगति, निरीक्षण टीप का उल्लेख रहेगा। साथ ही उच्च अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान उक्त रजिस्टर की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे एवं स्थानांतरण की स्थिति में संबंधित अधिकारी को रजिस्टर हैंड ओवर करेंगे। जारी निविदाओं की स्वीकृत शर्तों से संबंधित अभिलेख नस्ती के साथ संलग्न करे। उन्होने निर्देशित किया कि प्रस्तावित निर्माण मरम्मत कार्यों में तकनीकी प्राकलन एवं माप पुस्तिका देयक में उल्लेखित सामग्री एवं मात्रा में भिन्नता न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाये। साथ ही यदि किसी में भिन्नता है तो तत्संबंधी पुनरीक्षित प्राकलन तैयार कर सक्षम स्वीकृति प्राप्त की करे। साथ ही आगे कहा कि प्रत्येक प्रकार की नस्ती, बाउचर, प्रमाण पत्र, माप पुस्तिका अन्य पर दिनांक सहित हस्ताक्षर एवं हस्ताक्षरकर्ता के नाम की मुहर अनिवार्य रूप से लगाई जाना सुनिश्चित करें। निगमायुक्त द्वारा निर्देशित किया कि भविष्य में उपरोक्त दस्तावेज एवं आवश्यक कार्यवाही पूर्ण किये बिना यदि कोई नस्ती प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

केवि सीडब्ल्यूएस जयंत में यंग अचीवर टॉक कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अगस्त। केंद्रीय विद्यालय सीडब्ल्यूएस जयंत में आज दिन बुधवार को यंग अचीवर टॉक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में सविता यादव तहसीलदार व कार्यपालिक मजिस्ट्रेट सिंगरौली एवं डब्ल्यूपी महापात्रा वर्क्स मैनेजर सीडब्ल्यूएस जयंत व केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति के नॉमिनी चेयरमैन की उपस्थिति रही। अतिथियों का स्वागत प्रभारी प्राचार्य राजेश कुमार कुशवाहा व प्रभारी एचएम रुति चमका ने किया । कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित और वृक्षारोपण किया। विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गीत व सामूहिक नृत्य की लाजवाब प्रस्तुति ने सभी का मनमोह लिया। अपने वक्तव्य में मुख्य अतिथि सविता यादव ने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए प्रेरित किया । विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद डब्ल्यूपी महापात्रा ने बच्चों में अनुशासन व ईमानदारी बनाए रखने पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन बृजेश कुमार यादव द्वारा किया गया।

नियोक्ता 31 दिसम्बर तक करा सकते हैं अपने कर्मियों को पंजीकरण

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अगस्त। कर्मचारी राज्य बीमा निगम ईएसआईसी की एक विशेष पहल 1 जुलाई से 31 दिसंबर तक एक एकमुश्त अवसर प्रदान कर रही है। जिसके तहत नियोक्ता बिना किसी पूर्व बकाया की मांग के अपने प्रतिष्ठान और पात्र कर्मचारियों का पंजीकरण कर सकते हैं।

उक्ताशय की जानकारी देते हुये प्रबंधक ईएसआईसी शाखा बैढ़न मयंक अग्रवाल ने बताया कि ऐसे नियोक्ता जिनके प्रतिष्ठानों, कारखानों, दुकानों, होटल, रेस्टोरेंट, सिनेमा हॉल, रोड मोटर ट्रांसपोर्ट, निजी चिकित्सा व शैक्षणिक संस्थानों और नगर निगमों के ठेका अनियमित कर्मचारियों में 10 या अधिक कर्मचारी हैं और जो अभी तक ईएसआई अधिनियम के तहत पंजीकृत नहीं हुए है। ऐसे नियोक्ता जिन्होंने अपने सभी पात्र कर्मचारियों ठेका अनियमित या अस्थायी कर्मचारी सहित को पंजीकृत नहीं किया है। पंजीकरण की तिथि से कर्मचारियों और उनके परिवारों को चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होंगी। बीमारी, मातृत्व, चोट या मृत्यु के मामलों में नकद लाभ उपलब्ध होंगे।

साफ-सुथरे शहर से ही उसकी अपनी अलग पहचान बनती है : सविता

शहर की स्वच्छता व बेहतर सफाई प्रबंधन हमारा प्रथम दायित्व होना चाहिए

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अगस्त। शहर की स्वच्छता एवं बेहतर सफाई प्रबंधन हमारा प्रथम दायित्व होना चाहिए, साफ-सुथरे शहर से ही उसकी अपनी अलग पहचान बनती है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में अपने शहर को उच्च पायदान पर पहुंचाने का हम सबका सपना होना चाहिए तथा उस सपने को साकार करने के लिए पूरी इच्छा, शक्ति व समर्पण की भावना के साथ कार्य करने का जज्बा होना चाहिए।

उक्त निर्देश निगमायुक्त सविता प्रधान ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा बैठक दौरान कही। निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि सफाई संबंधी कार्यो को पूरी निष्ठा व जिम्मेदारी के साथ निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने निर्देशित किया कि साफ-सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए, नालियों कहीं कचरा जमा न होने पाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शहर के समस्त बाजार क्षेत्रों में दिन में दो बार सफाई कराया जाना सुनश्चित करने के साथ ही कचरा फैलाने वाले व्यक्ति को चिन्हित कर उन पर चालन की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। साथ ही कहा कि संबंधित जोन के सहायक एवं उपयंत्री शहर की साफ-सफाई व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग करें तथा यह सुनिश्चित कराएं कि सफाई कार्य के दौरान उत्सर्जित अपशिष्ट का स्थल से तुरंत उठाव व परिवहन हों, कचरा स्थल पर ज्यादा समय तक पड़ा न रहें, साथ ही यह भी देखें कि जिस स्थल पर सफाई हो रही है वहाँ पर बेहतर सफाई कार्य करते हुए स्थल की सम्पूर्ण सफाई की जाए। बैठक के दौरान नोडल अधिकारी स्वच्छता रूपाली द्विवेदी, प्रभारी अधिकारी नवजीवन विहार जोन संतोष तिवारी, स्वच्छता निरीक्षक पवन बरोदे, विशाल सोनी, कैलाश शाह एवं अन्य संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

बरगवां, सरई व निवास मंडलों की कार्यकारिणी घोषित

प्रदेश नेतृत्व की सहमति तथा जिलाध्यक्ष के अनुमोदन पश्चात घोषित की गई कार्यकारिणी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली के मंडल बरगवां, सरई तथा निवास के मंडल अध्यक्षों ने जिलाध्यक्ष सुंदर लाल शाह के अनुमोदन तथा प्रदेश नेतृत्व की सहमति के बाद अपनी बहुप्रतीक्षित कार्यकारिणी घोषित कर दी है।

घोषित कार्यकारिणी के अनुसार मंडल अध्यक्ष बरगवां मकरध्वज प्रताप सिंह ने रमाशंकर बैस, दीपक तिवारी, राम सिंह बैस, जगदीश साहू, मनोज कुमार बैस, ममता भुजवा को उपाध्यक्ष एवं विजय कुमार बैस एवं अनीता गुप्ता को महामंत्री नियुक्त किया है। इसी प्रकार अल्केंद्र गुर्जर, रानू प्रजापति, खगेन्द्र द्विवेदी, शीलाजी साकेत, फूलमती विश्वकर्मा को मंत्री तथा मनोज अग्रवाल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया है। सरई मंडल अध्यक्ष रामधनी यादव ने अपनी कार्यकारिणी में गुलाब प्रसाद बैस, रामजी जायसवाल, कैलास गुप्ता, लाले प्रसाद बैस, दिनेश यादव एवं कमलेश गुप्ता को उपाध्यक्ष, प्रतिमा दुबे एवं शिवशंकर पनिका को महामंत्री तथा सुखपती सिंस, आरती जायसवाल, सुधा शाह, शिवशंकर कुशवाहा, अनीता शाह, प्रदीप बैस को मंत्री एवं रामकली साकेत को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। निवास मंडल अध्यक्ष इंदू शाह ने अपनी कार्यकारिणी मे जीवधन साहू, शिवलोचन पांडेय, शिव कुमार जायसवाल, रामदास साहू, शांति साकेत को उपाध्यक्ष रामाधार विश्वकर्मा एवं कन्या कुमारी सिंह को महामंत्री, अशोक जायसवाल, राज अग्रहरि, पार्वती प्रजापति, मंगलेश्वर यादव, दिलीप जायसवाल को मंत्री तथा रमेश द्विवेदी को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया है।

आदि कर्मयोगी के तहत तीन दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अगस्त। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार आदि कर्मयोगी अभियान का आरंभ किया गया है।

इस अभियान में राष्ट्रीय मिशन विशेष रूप से पीएम जनमन और धरती आबा योजना के माध्यम से जमीनी स्तर जनजातीय वर्ग में आमूलचूल परिवर्तन लाना है। शासन के सभी स्तरों पर एक कैडर विकसित करना, विभिन्न विभागों के मध्य एकीकरण कन्वर्जेस जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण एवं विकास के लिए अन्य सहयोगियों के समूहों का निर्माण तथा आधारभूत आवश्यकताओं की पहचान करने के साथ ही सभी महत्वपूर्ण सेवाओं की संतृप्ति सेचुरेशन करना इस अभियान का लक्ष्य है। जिले में आदि कर्मयोगी अभियान के तृतीय चरण के तहत विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर बीएलएमटी की तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का जिला पंचायत सिंगरौली के सभागार में आरंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने भगवान बिरसा मुंडा को माल्यार्पण अर्पण तथा दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में अभियान में संलग्न एनजीओ समग्र ग्राम सुधार समिति तथा नागरिक समाज संगठन के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

एनआईसीटी कॉलेज के सामने नालियों का पानी सड़क पर

ननि के वार्ड क्रमांक- 42 का मामला, एक महीने से बनी है समस्या, नगर निगम सफाई अमला बेसुध, सड़क भी जगह-जगह टूटी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अगस्त। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 42 डिग्री कॉलेज-घुरीताल सड़क मार्ग के एनआईसीटी कॉलेज के ठीक सामने नालियां चोक होने पर उसका गंदा पानी टूटी-फूटी गड्ढों में जमा होकर बदबू मार रहा है। यह समस्या पिछले एक महीने से है। शिकायत के बावजूद ननि का सफाई अमला बेसुध है।

दरअसल नगर निगम क्षेत्र के साफ-सफाई व्यवस्था अस्त-व्यस्त है। जिसको लेकर आये दिन रहवासी एवं पार्षद ननि के अधिकारियों के यहां पहुंच समस्याओं से अवगत कराते हुये आरोप दर्ज करा रहे हैं। आरोप है कि ननि का सफाई अमला गंभीर नही है। जिसके चलते नालियों की नियमित साफ-सफाई नही होने से कचरा से पट कर बजबजा रही हैं। इस तरह के सूरते-हाल डिग्री कॉलेज- घुरीताल मार्ग का है। जहां एनआईसीटी कॉलेज के ठीक सामने की नालियां उफान मार रही है और उसका गंदा पानी सड़क पर जमा होने से रहवासियों

एवं छात्र-छात्राओं को आने - जाने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि ज्ञान वैली पब्लिक स्कूल के नौनिहाल भी इसी मार्ग से कचरे एवं दूषित पानी से होकर आ-जा रहे हैं। आलम यह है कि उक्त मार्ग की सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई और सड़क के गड्ढों में नालियों का पानी भरने से इतना बदबू मारता है कि लोग नाकों में रूमाल ढक कर पैदल चलते हुये नगर निगम के सफाई अमले को कोसते नजर आते हैं। फिलहाल यहां के रहवासियों ने नवागत निगमायुक्त का ध्यान आकृष्ठ कराते हुये नालियों की साफ-सफाई कराये जाने की मांग की है।

सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत, परिणाम बेअसर

यहां के रहवासियों ने गंदगी एवं क्षतिग्रस्त सड़को के संबंध में एक बार नही तीन-तीन बार सीएम हेल्पलाईन में शिकायते दर्ज करा चुकी है। रहवासियों ने बताया कि 12, 18 एवं 19 अगस्त को सीएम हेल्पलाईन में शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन उक्त शिकायतो का कोई समाधान नही निकला, बल्कि नगर निगम के अधिकारी सीएम हेल्पलाईन को क्लोज कराने के लिए हर संभव प्रयास करते हुये दबाव बना रहे हैं। समस्या के निदान के बात को ननि का सफाई अमला नजर अंदाज कर शिकायत को क्लोज कराने पर जोर देते हैं।